उदयपुर में तीन दिवसीय बर्ड फेस्टिवल का आगाज, पक्षीप्रेमी उमड़े

पक्षी एवं पर्यावरण संरक्षण भारतीय लोक जीवन का अहम् हिस्सा : सांसद डॉ. रावत

उदयपुर, (कासं)। वन विभाग के तत्वावधान में उदयपुर बर्ड फेस्टिवल के 11वें संस्करण का शुभारंभ शुक्रवार को सिसारमा रोड़ स्थित कालका माता नर्सरी परिसर के गोल्डन पार्क में उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. मन्नालाल रावत के मुख्य आतिथ्य में हुआ। तीन दिवसीय बर्ड फेस्टिवल के पहले दिन बर्ड वॉचिंग, स्कूली बच्चों के लिए पेंटिंग व क्विज स्पर्धाएं हुई। वहीं सूचना केन्द्र परिसर में पक्षी आधारित फोटो एवं डाक टिकट प्रदर्शनी का भी शुभारंभ हुआ। अपराह्न पश्चात ओटीएस परिसर में नेचर लिट्रेरी फेस्टिवल और कांफ्रेस में देश भर से आए ख्यातनाम पक्षी एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने भाग लिया।

बर्ड फेस्टिवल समारोह को सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने संबोधित किया।

- बर्ड फेस्टिवल के पहले दिन बर्ड वॉचिंग, स्कूली बच्चों के लिए पेंटिंग व क्विज स्पर्धाएं हुई

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने कहा कि भारत में पक्षी और पर्यावरण संरक्षण लोक जीवन का हिस्सा रहा है। आज भी गांव-देहातों में बड़े-बुजुर्गों द्वारा कटे हुए नाखूनों को इधर-उधर न फेंकने का सुझाव देते हुए कहा जाता है कि कटे हुए नाखून यदि खुले में फेंके तो चिड़िया इसे चावल समझ कर खा जाएगी और इससे उसकी मौत भी हो सकती है। भारतीय जीवन शैली में ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं। उन्होंने बर्ड फेस्टिवल जैसे आयोजनों को युवा पीढ़ी के लिए काफी महत्वपूर्ण बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने पक्षी और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकाशित किए जाने वाले जनजागरूकता साहित्य को हिंदी-अंग्रेजी के साथ मेवाड़ी में भी प्रकाशित करने का आग्रह किया।

शहर विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि बर्ड फेस्टिवल जैसे आयोजनों से आमजन में जागरूकता बढ़ी है। लोग पक्षी और पर्यावरण संरक्षण के लिए सतर्क हुए हैं। विधायक जैन ने उदयपुर बर्ड फेस्टिवल 2025 को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रेषित शुभकामना संदेश का भी वाचन किया।

समारोह को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सीईओ रविसिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन दीपेन्द्र सिंह , ख्यातनाम पक्षीविद् और बोम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के पूर्व निदेशक असद आर रहमानी, बीएनएचएस के रजत भार्गव, आंनदों बनर्जी, सेवानिवृत्त आईएएस विक्रमसिंह, सेवानिवृत्त वन अधिकारी आरकेसिंह, आईपीएस मथारू, राजपालसिंह, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण सदस्य राहुल भटनागर भी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे। प्रारंभ में मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एस आर वी मूर्थी, मुख्य वन संरक्षक सुनील छिद्री, उप वन संरक्षक (वन्यजीव) डी के तिवारी, उप वन संरक्षक मुकेश सैनी, उप वन संरक्षक उत्तर अजय चित्तौड़ा सहित अन्य ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बर्ड फेस्टिवल की स्मारिका तथा पक्षियों की जानकारी पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि सांसद डॉ रावत ने गत दिनों घायल अवस्था में मिले और उपचार के बाद स्वस्थ हुए तोतों को आजाद कर बर्ड फेस्टिवल का श्रीगणेश किया। बर्ड फेस्टिवल के तहत पिछोला झील के पार्श्व भाग में बर्ड वॉचिंग की भी व्यवस्था की गई। उद्घाटन समारोह के बाद सीनियर और जूनियर ग्रुप में पेंटिंग व क्वीज स्पर्धा भी हुई। इसमें शहर सहित आसपास के विद्यालयों से पहुंचे बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। बच्चों ने कूची और रंग से पक्षियों के सुंदर संसार को ड्राईंग शीट पर उकेरा। वहीं क्वीज स्पर्धा में पक्षी और पर्यावरण से जुड़े प्रश्नों के उत्तर भी दिए। दोपहर में सूचना केन्द्र में पक्षियों से संबंधित फोटोग्राफी एवं स्टाम्प प्रर्दशनी का शुभारंभ हुआ। सेवानिवृत मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनागर, डब्लूडब्लूएफ सीईओ रवि सिंह, पक्षी विशेषज्ञ असद रहमानी, व विक्रम सिंह ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

पॉक्सो के दो मामलों में 20-20 साल का कठोर कारावास

झुंझुनूं, (निसं)। पॉक्सो के दो मामलों में कोर्ट ने आरोपियों को 20-20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इनमें से एक आरोपी नाबालिगा को कोटा ले गया, जहां पर उसे एक जगह पर रखकर उसके साथ दुष्कर्म किया तो दूसरा नाबालिगा को मुंबई ले गया। जहां पर उसके साथ दुष्कर्म किया।

- एक ने कोटा ले जाकर, तो दूसरे ने मुंबई ले जाकर दुष्कर्म किया था

जानकारी के मुताबिक सिंघाना थाने में 7 नवंबर 2022 को 16 वर्षीया पीड़िता की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया था कि वह छह नवंबर 2022 को अकेली सिंघाना बाईपास चौराहे पर सब्जी लेने गई थी। जहां पर आरोपी आकाश मीणा उसे बहला फुलाकर पहले निजामपुर ले गया, जहां से खेतड़ी ले गया। इसके बाद अपनी मामी के घर ले गया। जिसके बाद कोटा ले गया। कोटा में 14-15 दिन तक उसे बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान नाबालिग के साथ आकाशी मीणा ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद 21 नवंबर 2022 को आरोपी पीड़िता को लेकर सिंघाना पहुंचा। जिसके बाद पीड़िता ने सारी आप बीती बताई।

पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपी आकाश मीणा को गिरफ्तार किया। वहीं चार्जशीट पोक्सो कोर्ट में पेश की। कोर्ट में 16 गवाहों के बयान करवाए गए। वहीं 39 दस्तावेजों के जरिए साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने पोक्सो एक्ट की धाराओं में आरोपी आकाश मीणा को दोषी मानते हुए 20 साल का कठोर कारावास तथा 50 हजार रूपए का जुर्माना लगाया। इसके अलावा अन्य धाराओं में दोषी मानते हुए कारावास की सजा तथा कुल 50 हजार रूपए का और जुर्माना लगाया गया है। आरोनी पर कुल 1 लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया है। राज्य सरकार की तरफ से विशिष्ट लोक अभियोजक वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट सुरेंद्र सिंह भांबू ने पैरवी की।

दूसरे मामले में भी कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की सजा और कुल एक लाख 10 हजार रूपए के जुर्माने से दंडित किया है। मामले के अनुसार 10 अक्टूबर 2021 को पिलानी थाने में 15 साल दो महीने की उम्र की पीड़ित नाबालिगा की तरफ से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी कि वह 10 अक्टूबर 2021 को घर के बाहर झाड़ू निकाल रही थी। तभी आरोपी सोनू वाल्मिकी पुत्र कृष्ण वाल्मिकी आया। आरोपी पीड़िता को डरा धमकाकर जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर एक मकान पर ले गया। जहां पर उसके साथ दुष्कर्म किया। यहां से आरोपी पीड़िता को मुंबई ले गया। जहां पर आरोपी ने अपने जीजा के मकान पर दो-तीन दिन रखा और पीड़िता के साथ दुष्कर्म करता रहा। यहीं पर आरोपी ने पीड़िता की अश्लील वीडियो क्लिप बना ली। जबरदस्ती शादी भी कर ली।

शादी के बाद आरोपी सोनू वाल्मिकी पीड़िता के साथ मारपीट करता और अन्य लोगों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए धमकाता था। जिसके बाद पीड़िता मौका पाकर आरोपी के चंगुल से भागकर मुंबई में एक पुलिस थाने पहुंची, जहां से उसने अपने पिता को फोन कर सारी आप बीती बताई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी सोनू वाल्मिकी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पोक्सो कोर्ट में चार्जशीट प्रस्तुत की।

दौरान ट्रायल 17 गवाहों के बयान करवाए गए। वहीं 29 दस्तावेजों के जरिए साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी सोनू वाल्मिकी को पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में दोषी माना है। सोनू वाल्मिकी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा और कुल एक लाख 10 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

महंत त्रिवेणी गिरी पंचतत्व में विलीन

जोधपुर, (कासं)। जूना अखाड़ा के महंत त्रिवेणी गिरी महाराज पंचतत्व में विलीन हो गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए संत एवं भक्तगणों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। सैनाचाय अचलानंद गिरी महाराज ने बताया कि अंतिम यात्रा से पूर्व त्रिवेणी घाट पर त्रिवेणी महाराज को स्नान कराकर विधि विधान के साथ संस्कार कर जूना अखाड़ा में लाकर पूजा कर अंतिम विदाई दी गई। उन्होंने बताया कि त्रिवेणी गिरी महाराज जोधपुर दादा दरबार सिद्धनाथ के थानापति महंत गिरी महाराज के शिष्य थे। उन्होंने अपने गुरु महाराज की बहुत सेवा की और आज संगम तट पर त्रिवेणी गिरी महाराज को समाधि दी गई। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के महंत हरि गिरी महाराज, नारायण गिरी महाराज, सैनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज, प्रेम गिरि महाराज, महंत मुनेश्वर गिरी महाराज, कंचन गिरि महाराज आदि सैकड़ों संतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

कॉल सेंटर पर दबिश

जोधपुर, (कासं)। पुलिस ने कुड़ी भगतासनी एरिया सेक्टर 9 में एक और कॉल सेंटर पर दबिश देकर दस युवतियां, महिलाएं एवं दो युवकों को पकड़ा है। आरोप है कि कार सर्विस प्रोवाइड कराने के नाम पर यहां कस्टमरों से धोखाधड़ी की जाती थी। कुड़ी भगतासनी में सेक्टर 2 में दो साल पहले भी बड़े स्तर पर कॉल सेंटर्स का खुलासा किया था। इससे पहले 11 जनवरी को पुलिस ने मधुबन हाउसिंग बोर्ड डीडीपी नगर में एक कॉल सेंटर पर रेड देकर महिला को पकड़ा था।

हार्डकोर अपराधी सहित दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने गबन, धोखाधड़ी व हनीट्रेप के पुराने मामले में कार्यवाही करते हुए हार्डकोर अपराधी सहित दो जनो को गिरफ्तार किया है।

रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थाने में अक्टूबर 2024 मे दर्ज गबन धोखाधड़ी व हनीट्रेप के पुराने मामले में कार्यवाही करते हुए हार्डकोर आरोपी असलम शेर खान उर्फ चिंटू और दानिश को प्रोडक्शन वॉरंट पर गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया की रेलवे कॉलोनी थाने में दर्ज गबन और धोखाधडी के मामले में जांच की बाद दोषी पाये जाने पर जेल में प्रार्थना पत्र देकर आरोपी को प्रोडक्शन वॉरंट पर लिया गया है। आरोपियों को पेश कर पुलिस रिमांड अवधि पर लिया गया है। पकड़े गये आरोपी असलम शेर खान उर्फ चिंटू पर दो दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज है।

रीट के आवेदन में संशोधन का अंतिम मौका 19 तक

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा रीट 2024 परीक्षा के लिए अंतिम तिथि तक 14 लाख 27 हजार 248 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें लेवल-1 के लिए 3 लाख 46 हजार 9, लेवल-2 के लिए 9 लाख 66 हजार 738 और दोनों लेवल के लिए 1 लाख 14 हजार 501 आवेदन प्राप्त हुए हैं। बोर्ड ने आवेदन पत्र में त्रुटियों को सुधारने के लिए संशोधन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू कर दी है, जिसकी अंतिम 19 जनवरी रात 12 बजे तक जारी रहेगी।

परीक्षा का आयोजन 27 फरवरी को किया जाना प्रस्तावित है। बोर्ड सचिव एवं परीक्षा समन्वयक कैलाश चन्द शर्मा ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने 15 जनवरी तक चालान जनरेट कर परीक्षा शुल्क जमा करा दिया, लेकिन आवेदन पत्र सबमिट नहीं किया या प्रिंट नहीं लिया, उन्हें शुक्रवार से 19 जनवरी तक आवेदन पत्र भरने, सबमिट करने और प्रिंट लेने का अंतिम अवसर दिया प्रदान किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा निरस्त किए गए 9 जिलों में परीक्षा केंद्र की प्राथमिकता भरने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र की प्राथमिकता में निशुल्क संशोधन का मौका दिया गया है। यह 19 जनवरी तक उपलब्ध रहेगी। जिन अभ्यर्थियों ने आवेदन पत्र भरने में कोई त्रुटि की है, वे 200 रुपए का चालान बनाकर संशोधन शुल्क जमा करा सकते हैं।

चालान वेरिफाई होने के बाद अभ्यर्थी संशोधन शुल्क का चालान नंबर, आवेदन पत्र या रजिस्ट्रेशन क्रमांक, माता का नाम, जन्म तिथि आदि भरकर और ओटीपी वेरिफाई कर आवेदन पत्र में सुधार कर सकेंगे। अभ्यर्थी अपने नाम, पिता के नाम, माता के नाम, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर, परीक्षा के लेवल और परीक्षा केंद्र की प्राथमिकता में कोई बदलाव नहीं कर सकते। इसके अलावा अन्य प्रविष्टियों में संशोधन किया जा सकता है।

मंडफिया : राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने मंडफिया स्थित भगवान श्री सांवलिया सेठ के दर्शन किए एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की। दर्शन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर का मंदिर परंपरा के अनुसार उपरना ओढ़ाकर भगवान का महाप्रसाद एवं तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान चित्तौड़गढ़ विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या, कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर, जिला कलेक्टर आलोक रंजन, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रभा गौतम, भदेसर उपखंड अधिकारी ऋषि सुधांशु पांडे, सांवलियाजी मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, मंदिर बोर्ड के पूर्व सदस्य भैरूलाल सोनी आदि उपस्थित थे।

बगड़ गांव बेटी को घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली

बगड़, (निसं)। लड़का और लड़की के मध्य के भेदभाव को मिटाने को लेकर अलग-अलग तरीके से संदेश दिए जाते हैं। इसी परिपाटी को लेकर ग्रामीण इलाकों में बेटियों की धूमधाम से बिंदौरी निकाली जा रही है। उन्हें घोड़ी पर बैठाकर गांव में घुमाया जा रहा है। बगड़ गांव के अनिल सैनी ने अपने घर से बहिन मोनिका सैनी की घोड़ी पर बैठाकर के डीजे के साथ बिंदौरी निकाली। मोनिका के पिता इन्द्राज सैनी माता सम्पत देवी के द्वारा बेटी के सिर पर साफा बांधकर गांव की चौपाल से लेकर अपने घर तक बिंदौरी निकाली। संपूर्ण गांव के लोगों ने इस पहल की प्रशंसा की। इस मौके पर पूर्व छात्रा नेत्री मोनिका सैनी, दिनेश इंदौरिया, बेटी के चाचा सज्जन सैनी, फूफा सुखदेव सैनी सीएम हाउस सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण व मातृशक्ति उपस्थिति रहे। शादी की पूर्व संध्या पर घोड़ी पर बैठा कर गांव में डीजे के साथ धूमधाम से नाचते हुए बिंदौरी निकाली।

बेटी को घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली।

महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे की ओर से प्रयागराज महाकुंभ-2025 के यात्रियों की सुविधा के लिए महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए गए हैं। गाड़ी संख्या 4811/04812, बाड़मेर- बरौनी- बाड़मेर फेरे बढ़ाए जा रहे हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 04811, बाड़मेर-बरौनी स्पेशल ट्रेन बाड़मेर से 24 जनवरी, 7 तथा 14 फरवरी को 17:30 बजे रवाना होकर दूसरे दिन जयपुर स्टेशन पर 3:30 बजे आगमन व 3:40 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 9:00 बजे बरौनी पहुंचेगी। इसी तरह, गाड़ी संख्या 04812, बरौनी-बाड़मेर स्पेशल रेलसेवा बरौनी से 26 जनवरी, 9 व 16 फरवरी को 23:00 बजे रवाना होकर तीसरे दिन जयपुर स्टेशन पर 2:50 बजे आगमन व 3:00 बजे प्रस्थान कर 13:00 बजे बाड़मेर पहुंचेगी।

गाडी संख्या 04811, बाड़मेर-बरौनी स्पेशल रेलसेवा जो 24 जनवरी को बाड़मेर से एवं गाडी संख्या 04812 बरौनी- बाड़मेर स्पेशल रेलसेवा जो 26 जनवरी को बरौनी से संचालित होगी। उस रेलसेवा में 1 थर्ड एसी, 5 द्वितीय श्रेणी शयनयान, 15 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 23 डिब्बे होंगे।

इसी तरह, गाड़ी संख्या 04811, बाड़मेर-बरौनी स्पेशल रेलसेवा जो 7 व 14 फरवरी को बाड़मेर से एवं गाड़ी संख्या 04812 बरौनी-बाड़मेर स्पेशल रेलसेवा जो 9 व 16 फरवरी को बरौनी से संचालित होगी, उसमें 2 सैकण्ड एसी, 5 थर्ड एसी, 11 द्वितीय श्रेणी शयनयान, 4 साधारण श्रेणी और 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 24 डिब्बे होंगे।

झुंझुनूं एकेडमी के तीन शूटरों ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में कीर्तिमान रचा

तीनों शूटरों का विद्यालय प्रांगण में स्वागत-अभिनंदन किया गया

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई के विद्यार्थी बेहतरीन बोर्ड परीक्षा परिणामों के साथ-साथ स्पोर्ट्स में भी शानदार प्रदर्शन कर नेशनल एवं इंटरनेशनल लेवल पर मेडल जीत रहे हैं तथा खेलों के हर वर्ग में अनेक चैंपियनशिप जीत कर जिले, स्कूल व माता-पिता का नाम रोशन कर रहे हैं। शुक्रवार को इसी कड़ी में जीवेम् शूटिंग एकेडमी के शूटरों ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में अपना दमखम दिखाते हुए इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल के लिए क्वालीफाइ किया है जो बहुत बड़ी उपलब्धि है।

- शूटर सतीश कुमार, तन्मय चौधरी ने इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल के लिए तथा अनीश कुमार ने नेशनल के लिए क्वालीफाई किया

शूटिंग कोच सुशील कुमार दूलड़ ने बताया कि डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज तुगलकाबाद दिल्ली में चल रही 67वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में झुंझुनूं एकेडमी के शूटर सतीश कुमार व तन्मय चौधरी ने टॉप-10 रैंक प्राप्त कर शानदार अंकों के साथ इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल तथा अनीश कुमार ने भी इसी रैंक के साथ नेशनल के लिए क्वालिफाइ कर कीर्तिमान रचा है। झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी ने तीनों शूटरों को बधाई देते हुए कहा कि नेशनल चैंपियनशिप में टॉप-10 रैंक पाना वास्तव में बहुत बड़ी उपलब्धि है और इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल के लिए क्वालिफाई कर इन शूटरों ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले का मान बढ़ाया है। इस अवसर पर तीनों शूटरों का विद्यालय प्रांगण में स्वागत-अभिनंदन किया गया।

दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चौथमाता के दर्शन कर मन्नत मांगी

बून्दी शहर में हर तरफ श्रद्धालुओं की रेलमपेल रही, जगह-जगह भंडारों का आयोजन हुआ

बूंदी (निसं)। श्रद्धा के आगे सुबह की गलन भरी सर्दी बौनी नजर आई। बाणगंगा में पहाड़ी पर स्थित चौथ माता का पांच दिवसीय मेले के दूसरे दिन संकट चतुर्थी के अवसर पर माता के दर्शन और अपनी मनोकामना के लिए बून्दी सहित आसपास के सभी क्षेत्रों से श्रद्धालु माता के दरबार में मत्था टेकने पहुंचे। अलसुबह से ही चौथ माता मंदिर के रास्ते में श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। शहर के हर मार्ग पर पैदल जाने वाले श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए नजर आए। इस दौरान कई श्रद्धालु नंगे पैर भी दिखाई दिए।

बाणगंगा में स्थित चौथ माता मंदिर में श्रद्धालुओं का आना बीती रात से ही शुरू हो गया। अलसुबह से ही शहर से बाणगंगा जाने वाले सभी रास्तों में श्रद्धालुओं के समूह नजर आने लगे थे। दर्शन को आने वाले सभी श्रद्धालु माता के जयकारे लगाकर नाचते गाते हुए मंदिर प्रांगण में पहुँचे। जहाँ आंकड़े के अनुसार दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार और विश्व की सुख समृद्धि की कामना की ढोक लगाई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पत्थरों से कच्चे मकान बनाकर मनौती मांगी। कई श्रद्धालु सर्दी के बावजूद नंगे पैर से अपनी आस्था को लेकर माता के दरबार में पहुंचे। दर्शनों के लिए देर सवेरे से ही श्रद्धालुओं का समूह के रूप में जाना शुरू हो गया था। इस अवसर पर देर रात तक श्रद्धज्ञलुओं की भीड मंदिर की ओर जाती नजर आई। इस अवसर पर चौथ माता मंदिर परिसर में लगे मेले में ग्रामीणों ने जमकर खरीददारी की। वहीं बड़ी मात्रा में प्रसाद व फूलमालाओं की बिक्री हुई। नैनवां रोड़, माटूंदा रोड़ चौराहा, मीरागेट, रामद्वारा लंकागेट, खोजागेट, चितौड़ रोड़, सिलोर रोड़ सभी जगह श्रद्धालुओं के लिए भंडारें आयोजित किए गए।

बाणगंगा में पहाड़ी पर स्थित चौथ माता के दर्शनों के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

- देर सवेरे से ही श्रद्धालु मंदिर में आने लग गये थे

मेले के सफल आयोजन के लिए पुलिस प्रशासन ने चाक चौबंद व्यवस्था करते हुए शांति व्यवस्था के लिए अति. पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में डिप्टी, एसएचओ, पुलिसकर्मियों सहितआरएसीके जवानों का अमला तैनात कर रखा था, जो अलसुबह तीन बजे से ही व्यवस्थाओं में लगे हुए थे।